विशेषण

विशेषण — संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता को प्रकट करने वाले शब्दों को विशेषण कहते हैं।

विशेष्य — जिन संज्ञा अथवा सर्वनाम शब्दों की विशेषता बताई जाती है, उन्हें विशेष्य कहते हैं।

विशेषण के भेद

विशेषण के चार भेद हैं — गुणवाचक, संख्यावाचक, परिमाणवाचक, सार्वनामिक

Scanned by CamScanner

1) गुणवाचक विशेषण — जो शब्द संज्ञा के गुण-दोष, रंग, आकार, स्वभाव आदि को प्रकट करते हैं, उन्हें गुणवाचक विशेषण कहते हैं।

जैसे — काली बिल्ली दूध पी गई।
आम खट्टा है।

2) संख्यावाचक विशेषण — जो शब्द संज्ञा की संख्या का ज्ञान कराते हैं, उन्हें संख्यावाचक विशेषण कहते हैं।

जैसे — पेड़ की डाली पर तीन बन्दर बैठे हैं।
वे दोनों लड़कियाँ बुद्धिमान हैं।

3) परिमाणवाचक विशेषण — जो संख्यावाचक शब्द किसी वस्तु के तोल अथवा माप का बोध कराते हैं, उन्हें परिमाणवाचक विशेषण कहते हैं।

जैसे — ट्रक से दो क्विंटल गेहूँ उतार दो।
राधा के सूट में चार मीटर कपड़ा लगता है।

Scanned by CamScanner

4) सार्वनामिक विशेषण — जो सर्वनाम शब्द विशेषण की तरह किसी संज्ञा से पहले आकर संज्ञा की विशेषता प्रकट करते हैं, उन्हें सार्वनामिक विशेषण कहते हैं।

जैसे — उस आदमी ने कुछ कहा।
वह मजदूर यहाँ आया था।
कैसा कपड़ा खरीदोगे?

Scanned by CamScanner